देश रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के विजन के साथ आगे बढ़ रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

...

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अर्थव्यवस्था के शिल्पकार है: लोक सभा अध्यक्ष

...

कठिनाइयों के बावजूद, राष्ट्रीय हित में 'एक राष्ट्र एक कर' प्रणाली लागू की गई है : लोक सभा अध्यक्ष

...

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स देश की वित्तीय मार्गदर्शक है : लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने आईसीएआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कर सम्मेलन की अध्यक्षता की

कोटा 02 जुलाई 2021: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज यहां इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद (सीआईआरसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कर सम्मेलन की अध्यक्षता की। सबसे पहले, श्री बिरला ने हाल ही में हुए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स दिवस के अवसर पर चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को बधाई दी। यह दिवस हर वर्ष 1 जुलाई को मनाया जाता है। श्री बिरला ने राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट पेशेवर दृष्टिकोण, समर्पण और सेवा के लिए आईसीएआई और उसके सभी सदस्यों और सहयोगियों की सराहना की।

श्री बिरला ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट देश के आर्थिक विकास की दिशा में काम करते हैं और अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अर्थव्यवस्था के शिल्पकार और राष्ट्र के वित्तीय गाइड के रूप में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की भूमिका की सराहना करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि उन्होंने राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान दिया है।

राष्ट्र की कराधान प्रणाली के विषय में बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि चार्टर्ड एकाउंटेंट देश की अर्थव्यवस्था के संरक्षक हैं। उन्होंने यह कहा कि कठिनाइयों के बावजूद, राष्ट्रीय हित में 'एक राष्ट्र एक कर' प्रणाली लागू की गई है।

वैश्विक महामारी के कठिन समय के दौरान चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की उत्कृष्ट सेवा और समर्पण का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि COVID महामारी से अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान के बावजूद, उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था को एक बार फिर से मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का आह्वान किया कि वह सुनिश्चित करें कि कंपनियों का प्रशासन विधि के अनुसार चले तथा वे अपने वित्तीय मामलों मे एथिकल तरीके से कार्य करें। यह विचार व्यक्त करते हुए कि चार्टर्ड अकाउंटेंट वित्तीय मामलों के विशेषज्ञ हैं, श्री बिरला ने सलाह दी कि वह अपनी वित्तीय विशेषज्ञता का प्रयोग करते हुए राष्ट्र को आगे बढ़ाने में, औद्योगिक विकास में और देश की समृद्धि के मार्ग को सही दिशा में ले जाने का काम करें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वे नियमित रूप से देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों के सम्पर्क में रहेंगे तथा अपने ज्ञान तथा अनुभव उनके साथ साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे हमारे जनप्रतिनिधि आर्थिक एवं वित्तीय व्यवस्था से संबंधित कानूनों के निर्माण में अपना उत्कृष्ट योगदान दे पाएंगे और अन्ततः हमारे देश की टैक्स प्रणाली और अधिक पारदर्शी, सरल एवं करदाताओं के लिए अनुकूल बन पाएगी। ऐसा होने से हम देश की आर्थिक प्रगति के साथ साथ रोजगार सृजन का काम भी कर सकते हैं।

श्री बिरला ने रेखांकित किया कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने देश के आर्थिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि देश रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के विजन के साथ आगे बढ़ रहा है। श्री बिरला ने आईसीएआई से अपील की कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करने और विकसित करने के प्रयासों में सरकार के साथ सहयोग करे।

उन्होंने कहा कि आईसीएआई हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योगों को मजबूत करने में उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। श्री बिरला ने कहा कि आईसीएआई ने करदाताओं को उचित सलाह और मार्गदर्शन प्रदान किया है, वहीं दूसरी ओर उन्होंने देश में नए उद्योगों और व्यवसायों के विकास में भी योगदान दिया है।